विज्ञान प्रकाश वर्ष : 20, अंक 2, अप्रैल-जून, 2022 ISSN : 1549-523-X

गोपबन्धु दास की रचित 'बंदीर आत्मकथा' कबिता से

ଗୋପବନ୍ଧୁ ଦାସଙ୍କ ବନ୍ଦୀର ଆତ୍ମକଥା କବିତାରୁ

From the poem "Bandira Atmakatha" of Gopabandhu Das

ଚିର ବିକାଶ ମୋ ଜନ୍ମ ଅଧିକାର, ଚିର ମୁକ୍ତ ମମ ଉନ୍ନତି ଦୁଆର
चिर बिकाश मो जन्म अधिकार, चिर मुक्त मम उन्नति दुआर
Eternal development is my birthright, Door of my development is eternal freedom
चिरविकास मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और बंधन मुक्त होना मेरी उन्नति का द्वार है।

II

ଯା ଜୀବନ ଗତି ତତ୍ତ୍□ ଅଭିମୁଖୀ, ସେହି ଏକା କୃତୀ ସେହି ଏକା ସୁଖୀ
ତତ୍ତ୍□ର ସାଧନେ କୃତ କୃତ୍ୟ ଜନ, ଲଭଇ ମରଣେ ଅମୃତ ଜୀବନ
जा जीवन गति तत्व अभिमुखी, सेहि एका कृती सेहि एका सुखी
तत्वर साधने कृत कृत्य जन, लभई मरणे अमृत जीवन
Whose goal of life is to seek truth, he is successful and happy.
Those who practice truth, attains success in life and moksha thereafter.
जिसका जीवनगति तत्व अभिमुखी है, उसी का जीवन सफल और सुखी है।
तत्व को साधने से जीवन में सफलता और मरणोपरान्त मोक्ष मिलती है।

III

ପ୍ରଜା ଲାଗି କଲେ ପ୍ରଜାପତି ସୃଷ୍ଟି, ପ୍ରଜା ଲାଗି ଇନ୍ଦ୍ର କଲେ ଜଳ ବୃଷ୍ଟି
ପ୍ରଜା ଲାଗି ଉଦେ ରବି ଶଶୀ ତାରା, ପ୍ରଜା ଲାଗି ବହେ ଶତ ନଦୀ ଧାରା
प्रजा लागि कले प्रजापति सृष्टि, प्रजा लागि इन्द्र कले जल ब्रस्टि
प्रजा लागि उदें रबि शशी तारा, प्रजा लागि बहे शत नदी धारा
Prajapati has created this world for the mankind,
the Indra provided rain for the people,
the Sun, Moon and Stars are there for the people, and
Hundreds of rivers flow for the people.
प्रजा के लिए प्रजापति ने सृष्टि बनायी,
प्रजा के लिए इन्द्र ने जल वृष्टि किए,
प्रजा के लिए सूर्य, चन्द्रमा और तारों का उदय होता है और
प्रजा के लिए सैकड़ों नदियाँ बहतीं है।

गोपबंधु दास एक महान् स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि, साहित्यकार, वकील, पत्रकार और समाजसेवी थे, जिन्होंने अपनी जिंदगी देश सेवा के लिए समर्पित कर दी। 'उत्कलमणि और 'दरिद्रसखा' के नाम से विख्यात गोपबंधु दास का जन्म उड़ीसा में, पुरी जिले के साक्षी गोपाल के निकट 1877 ई. में हुआ था। वे उड़ीसा में राष्ट्रीय चेतना के अग्रदूत थे और स्वतंत्रता-संग्राम में उन्होंने अनेक बार जेल यात्राएं कीं। 1920 की नागपुर कांग्रेस में उनके प्रस्ताव पर ही कांग्रेस ने भाषावार प्रांत बनाने की नीति स्वीकार की थी। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। उनकी प्रमुख कृतियां हैं– 'अवकाश चिन्ता', 'बंदीर आत्मकथा', 'धर्मपद', 'गो महात्म्य', 'कारा कविता', 'नचिकेता उपाख्यान' आदि।

विज्ञान प्रकाश : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी रिसर्च जर्नल

Vigyan Prakash : Research Journal of Science & Technology

www.VigyanPrakash.in